ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-02-2024

पटना(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-03	2024-02-04	2024-02-05	2024-02-06	2024-02-07
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	4.0	4.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	26.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	11.0	10.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	90	90	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	3	3	4
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	280	280	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	3	6	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी दो दिनों के दौरान हल्की वर्षा होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 10-12 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-35% और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 90-95 % होने की संभावना है। • 3-4 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है। • इस दौरान पछुवा हवा चलने की संभावना है I

सामान्य सलाहकार:

गोभीवर्गीय फसल में हीरा पीठ इल्ली, मटर में फली छेदक तथा टमाटर में फल छेदक की निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड खेतों में लगाएं।

लघु संदेश सलाहकार:

कद्दूवर्गीय सब्जियों के अगेती फसल की पौध तैयार करने के लिए बीजों को छोटी पालीथीन के थेलों में भर कर पाली घरों में रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की फसल में यदि दीमक के लक्षण दिखाई दें तो 20 किग्रा रेत में 2 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी मिलाकर शाम के समय प्रयोग करना चाहिए और बाद में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।
सरसों	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानो को सलाह है कि सरसों की फसल में चेंपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। प्रारम्भिक अवस्था में प्रभावित भाग को काट कर नष्ट कर दे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि वे आलू तथा टमाटर में पछेता झूलसा रोग की निरंतर निगरानी करते रहें तथा प्रारम्भिक लक्षण दिखाई देने पर इंडोफिल-एम-45 @ 2 मिली/लीटर पानी या मेन्कोजेब 2.0 ग्राम/लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव आसमान साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	रात के समय जानवरों को गर्म स्थानों पर बांधें और जानवरों को ठंडे तनाव से बचाने के लिए पशु घर को गर्म रखें।
बकरा	स्थानीय पशु चिकित्सक के परामर्श से बकरियों को कृमिनाशक दवा उपलब्ध करानी चाहिए। अन्तर्परजीवी संक्रमण को रोकने के लिए जानवरों को सुबह ओस सूखने के बाद चरने देना चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	• मुर्गी घर को इस तरह से डिजाइन किया जाना चाहिए कि सर्दियों के दौरान पक्षियों को किसी विशेष समस्या का सामना न करना पड़े। • मुर्गी घर की दिशा पूर्व-पश्चिम में रखनी चाहिए। ताकि दिन में ज्यादा से ज्यादा धूप मुर्गी घर में प्रवेश करे। • चूजों के आहार में अचानक बदलाव न करें।